QUESTION

Q1. The place of Gautama Buddha's birth was a grove known as —

गौतम बुद्ध के जन्म का स्थान एक उपवन के रूप में जाना जाता था —

[SSC CGL 2020]

A. Mangar Bani / मंगर बानी
B. Kavus / कवुस
C. Lumbini / लुंबिनी
D. Mawphlang / मॉफलांग

Jain & Bauddh

Nepal

SOLUTION

Solution: Correct Answer is Lumbini

- **Real Name:** Siddhartha Gautama
- **Birth Year:** Around 563 BCE (traditional date) / [illegible] 563 ईसा पूर्व (पारंपरिक तिथि)
- **Birth Place:** Lumbini, near Kapilavastu (present-day Rummindei in Nepal)/ कपिलवस्तु के निकट लुम्बिनी (वर्तमान नेपाल में रुम्मिनदेई)
- **Clan:** Shakya(kshatriya) clan of the Ikshvaku (Solar) dynasty/ कुल: इक्ष्वाकु (सौर) वंश का शाक्य (क्षत्रिय) वंश
- **Father:** King Suddhodana — ruler of the Shakya clan of Kapilavastu/ राजा शुद्धोधन - कपिलवस्तु के शाक्य वंश के शासक
- **Mother:** Queen Māyā Devi —she passed away seven days after Buddha's birth/ रानी माया देवी - बुद्ध के जन्म के सात दिन बाद उनका निधन हो गया

SOLUTION

- **Stepmother / Foster Mother:** Mahāprajāpatī Gotamī (Gautamī) — the first woman to be ordained as a bhikkhuni
- **सौतेली माँ/पालक माँ:** महाप्रजापति गौतमी (गौतमी) - भिक्षुणी के रूप में दीक्षित होने वाली पहली महिला
- **Wife:** Princess Yaśodharā / राजकुमारी यशोधरा
- **Son:** Rāhula / राहुल
- **Died (mahaparinirvana):** Around 483 BCE(at the age of 80) in Kushinagar.
- **मृत्यु (महापरिनिर्वाण):** लगभग 483 ईसा पूर्व (80 वर्ष की आयु में) कुशीनगर में।

QUESTION

Q2. _____ was the first woman to be ordained as a bhikkhuni in Buddhism.

_____ बौद्ध धर्म में भिक्षुणी के रूप में दीक्षित होने वाली पहली महिला थीं।

[SSC CGL 2023]

A. Dhammananda Bhikkhuni / धम्मानंदा भिक्षुणी
B. Sujata / सुजाता
C. Mahapajapati Gautami / महाप्रजापति गौतमी
D. Sanghamitta / संघमित्ता

SOLUTION

Correct Answer is Mahapajapati Gautami

- **Mahapajapati Gautami was the aunt and foster mother of Lord Buddha.** / महाप्रजापति गौतमी भगवान बुद्ध की मौसी और पालक माता थीं।

- **She i (, marking the establishment of the Bhikkhuni Sangha./** वे पहली भिक्षुणी (बौद्ध भिक्षुणी) बनीं, जिससे भिक्षुणी संघ की स्थापना हुई।
- **Sanghamitta, Emperor Ashoka's daughter, established the Bhikkhuni order in Sri Lanka.** / सम्राट अशोक की पुत्री संघमित्रा ने श्रीलंका में भिक्षुणी संप्रदाय की स्थापना की।

SOLUTION

- The eight Garudhammas prescribed by Buddha for female ordination established the seniority of monks over nuns, reflecting the social context of that era./ बुद्ध द्वारा स्त्री दीक्षा के लिए निर्धारित आठ गरुड़धम्मों ने भिक्षुणियों की तुलना में भिक्षुणियों की वरिष्ठता स्थापित की, जो उस युग के सामाजिक संदर्भ को दर्शाता है।
- The Therigatha, a Buddhist text, is a collection of poems and spiritual experiences of early bhikkhunis./ थेरीगाथा, एक बौद्ध ग्रंथ, प्रारंभिक भिक्षुणियों की कविताओं और आध्यात्मिक अनुभवों का संग्रह है।
- Ananda was the most beloved disciple of Gautam Buddha./ आनंद गौतम बुद्ध के सबसे प्रिय शिष्य थे।
- Buddha, Dhamma, Sangha are the Three Jewels of Buddhism./ बुद्ध, धम्म और संघ बौद्ध धर्म के त्रिरत्न हैं।
- In Sarnath Buddha deliver his first sermon. / सारनाथ में बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया।

Question

Q3. Which of the following symbols at Sanchi stupas represents the first sermon of Buddha delivered at Sarnath?
सांची स्तूपों में से कौन-सा प्रतीक सारनाथ में बुद्ध के प्रथम उपदेश का प्रतिनिधित्व करता है?

[RRB NTPC CBT]

A. Lotus / कमल
B. Wheel / पहिया
C. Bodhi Tree / बोधि वृक्ष
D. Horse / घोड़ा

[Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2008]

SOLUTION

Correct Answer is Wheel

- The Dharmachakra (Wheel) represents Buddha's first sermon delivered at Sarnath, known as "Dharmachakra Pravartana"./ धर्मचक्र (पहिया) बुद्ध द्वारा सारनाथ में दिए गए प्रथम उपदेश का प्रतीक है, जिसे "धर्मचक्र प्रवर्तन" के नाम से जाना जाता है।
- The Sanchi stupas were built during the Mauryan period and later expanded during the Shunga and Satavahana periods. / साँची के स्तूप मौर्य काल में निर्मित हुए थे और बाद में शुंग और सातवाहन काल में इनका विस्तार हुआ।
- Birth → Lotus & Bull/ जन्म → कमल और बैल
- Renunciation → Horse (Kanthaka)/ त्याग → अश्व (कंठक)
- Enlightenment → Bodhi Tree/ ज्ञानोदय → बोधि वृक्ष
- First Sermon → Wheel (Dharmachakra Pravartana)
  प्रथम उपदेश → चक्र (धर्मचक्र प्रवर्तन)
- Death (Parinirvana) → Stupa/ मृत्यु (परिनिर्वाण) → स्तूप

Question

Q4. With reference to Ajivikas, consider the following statements:

आजीविकाओं के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

a) Makkhali Gosala was the prominent teacher of this sect. / मक्कलि गोसाल इस संप्रदाय के प्रमुख शिक्षक थे।

b) Ajivikas believed in fatalism. / आजीविक भाग्यवाद में विश्वास करते थे।

Which of the above statements is/are correct?

उपरोक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

[SSC CGL 2024]

A. Both a and b / दोनों a और b

B. Neither a nor b / न तो a और न ही b

C. Only b / केवल b

D. Only a / केवल a

Jain Buddha

SOLUTION

Solution: Correct Answer is Both a and b

- **The Ajivika sect was an important ancient Indian ascetic movement founded by Makkhali Gosala. /** आजीविका संप्रदाय मक्खलि गोशाला द्वारा स्थापित एक महत्वपूर्ण प्राचीन भारतीय तपस्वी आंदोलन था।
- **The Ajivika sect was contemporary to both Mahavira and Gautama Buddha./** आजीविका संप्रदाय महावीर और गौतम बुद्ध दोनों का समकालीन था।

Lord Buddha Lord Mahavira

SOLUTION

- They propounded that all events are predetermined and human effort is ineffective in changing one's destiny./ उन्होंने प्रतिपादित किया कि सभी घटनाएँ पूर्वनिर्धारित होती हैं और मानव प्रयास किसी के भाग्य को बदलने में अप्रभावी होता है।
- This philosophy is extensively documented in Buddhist and Jain texts. / यह दर्शन बौद्ध और जैन ग्रंथों में व्यापक रूप से प्रलेखित है।
- Bindusara patronized the Ajivikas. / बिन्दुसार ने आजीवकों को संरक्षण दिया।
- The Barabar Caves in Bihar served as important residential centers for Ajivika monks. / बिहार में बराबर गुफाएँ आजीवक भिक्षुओं के लिए महत्वपूर्ण आवासीय केंद्र के रूप में कार्य करती थीं।

QUESTION

Q5. Which statement from the given options is NOT correct?

दिए गए विकल्पों में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

[RRB NTPC CBT]

A. Upagupta influenced Ashoka to embrace Buddhism / उपगुप्त ने अशोक को बौद्ध धर्म अपनाने के लिए प्रेरित किया।

B. Buddhist scriptures were written in Pali / बौद्ध ग्रंथ पाली भाषा में लिखे गए थे।

C. Charak was the personal physician of Gautam Buddha / चरक, गौतम बुद्ध के व्यक्तिगत चिकित्सक थे।

D. The birthplace of Gautam Buddha is in Nepal / गौतम बुद्ध का जन्मस्थान नेपाल में है।

SOLUTION

Solution: Correct Answer is Option D Charak was the personal physician of Gautam Buddha.

- **Charaka was a renowned ancient Indian physician and the author of the 'Charaka Samhita', a foundational text of Ayurveda. / चरक एक प्रसिद्ध प्राचीन भारतीय चिकित्सक और आयुर्वेद के आधारभूत ग्रंथ 'चरक संहिता' के रचयिता थे।**
- **His period is generally dated to the 2nd-3rd century CE . / उनका काल सामान्यतः दूसरी-तीसरी शताब्दी ईस्वी माना जाता है।**
- **Charaka is often called the 'Father of Ayurveda'. / चरक को अक्सर 'आयुर्वेद का जनक' कहा जाता है।**

SOLUTION

- The contemporary physician of Gautama Buddha was Jivaka, who was the physician to King Bimbisara of Magadha and the Buddha himself, renowned for his surgical skills. / गौतम बुद्ध के समकालीन चिकित्सक जीवक थे, जो मगध के राजा बिम्बिसार और स्वयं बुद्ध के चिकित्सक थे, जो अपनी शल्य चिकित्सा कौशल के लिए प्रसिद्ध थे।
- Upagupta was a famous Buddhist monk and teacher belonging to the Mauryan period./ उपगुप्त मौर्य काल के एक प्रसिद्ध बौद्ध भिक्षु और शिक्षक थे।
- He belonged to the Hinayana school of Buddhism./ वे बौद्ध धर्म के हीनयान संप्रदाय से संबंधित थे।
- He helped in spreading Buddhism in North India and guided Ashoka after the Kalinga War, leading him toward Dhamma./ उन्होंने उत्तर भारत में बौद्ध धर्म के प्रसार में सहायता की और कलिंग युद्ध के बाद अशोक का मार्गदर्शन किया तथा उन्हें धम्म की ओर अग्रसर किया।

Question

Q6. Jataka tales are related to _____.
जातक कथाएँ _____ से संबंधित हैं।

[RRB NTPC CBT]

A. Sikhism / सिख धर्म
B. Hinduism / हिंदू धर्म
C. Jainism / जैन धर्म
D. Buddhism / बौद्ध धर्म

बुद्ध के पुनर्जन्म

SOLUTION

Solution: Correct Answer is Buddhism

- Jataka tales are related to Buddhism. / जातक कथाएँ बौद्ध धर्म से संबंधित हैं।
- These tales are stories about the previous births of Gautama Buddha and form part of the Pali literature. / ये कथाएँ गौतम बुद्ध के पूर्वजन्मों की कहानियाँ हैं और पाली साहित्य का हिस्सा हैं।
- There are 547 such stories collected in the 'Khuddaka Nikaya' of the 'Sutta Pitaka' in the Tripitaka./ त्रिपिटक में 'सुत्त पिटक' के 'खुद्दक निकाय' में ऐसी 547 कहानियाँ संकलित हैं।
- These tales explain fundamental Buddhist principles like karma, compassion, and non-violence through simple narratives./ ये कथाएँ सरल आख्यानों के माध्यम से कर्म, करुणा और अहिंसा जैसे मूलभूत बौद्ध सिद्धांतों की व्याख्या करती हैं।

SOLUTION

- The Jataka tales were compiled around the 3rd century BCE. / जातक कथाएँ लगभग तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में संकलित की गईं।
- In these tales, animals like elephants, monkeys, and deer are often made central characters to convey moral lessons./ इन कथाओं में, नैतिक शिक्षा देने के लिए अक्सर हाथी, बंदर और हिरण जैसे जानवरों को केंद्रीय पात्र बनाया जाता है।

Tripitaka of Buddhism (त्रिपिटक – बौद्ध धर्म के तीन पिटक)

- Tripitaka = "Three Baskets of Wisdom"
  त्रिपिटक का अर्थ है — "ज्ञान की तीन टोकरी"
- It is the earliest Buddhist canon (holy scripture) written in Pali language./ यह पाली भाषा में लिखा गया सबसे प्राचीन बौद्ध धर्मग्रंथ है।
- It contains the teachings of Gautama Buddha. / इसमें गौतम बुद्ध की शिक्षाएँ सम्मिलित हैं।

SOLUTION

1. Vinaya Pitaka (विनय पिटक)

- Deals with rules and discipline for monks and nuns in monasteries. / मठों में भिक्षुओं और भिक्षुणियों के लिए नियमों और अनुशासन का वर्णन करता है।
- Describes daily conduct, punishments, and code of ethics. दैनिक आचरण, दंड और आचार संहिता का वर्णन करता है।
- Compiled by Upali, a disciple of Buddha./ बुद्ध के एक शिष्य उपाली द्वारा संकलित।

2. Sutta Pitaka (सुत्त पिटक)

- Contains sermons (discourses) delivered by Buddha and his close disciples. / इसमें बुद्ध और उनके निकट शिष्यों द्वारा दिए गए उपदेश शामिल हैं।
- Explains moral principles, meditation, and Dhamma./ नैतिक सिद्धांतों, ध्यान और धम्म की व्याख्या करता है।
- Compiled by Ananda, Buddha's attendant. / बुद्ध के अनुचर आनंद द्वारा संकलित।

SOLUTION

3. Abhidhamma Pitaka (अभिधम्म पिटक)

- Deals with philosophical and psychological analysis of Buddha's teachings. / बुद्ध की शिक्षाओं के दार्शनिक और मनोवैज्ञानिक विश्लेषण से संबंधित है।
- Explains mind, matter, and metaphysical doctrines. / मन, पदार्थ और आध्यात्मिक सिद्धांतों की व्याख्या करता है।
- Compiled later by scholars of the Buddhist Sangha. / बाद में बौद्ध संघ के विद्वानों द्वारा संकलित।

SOLUTION

- Dhammapada → Moral sayings of Buddha
- धम्मपद → बुद्ध की नैतिक बातें
- Jataka Tales → Stories of Buddha's previous births
- जातक कथाएँ → बुद्ध के पूर्व जन्म की कहानियाँ
- Buddhacharita → Biography by Ashvaghosha
- बुद्धचरित → अश्वघोष द्वारा लिखित जीवनी
- Lalitavistara → Mahayana text on Buddha's life
- ललितविस्तार → बुद्ध के जीवन पर महायान पाठ
- Divyavadana → Legends of Ashoka
- दिव्यावदान → अशोक की किंवदंतियाँ
- Visuddhimagga → By Buddhaghosa (Pali commentary)
- विशुद्धिमग्गा → बुद्धघोष द्वारा (पाली टिप्पणी)
- Sutralankara → By Asanga (Mahayana)
- सूत्रालंकार → असंग (महायान) द्वारा
- Abhidharmakosha → By Vasubandhu
- अभिधर्मकोश → वसुबन्धु द्वारा

Question

Q7. Which of the following places did Lord Buddha give his first sermon on the Four Noble Truths?

निम्नलिखित में से किस स्थान पर भगवान बुद्ध ने चार आर्य सत्यों पर अपना पहला उपदेश दिया था?

A. Bodh Gaya / बोधगया
B. Lumbini / लुंबिनी
C. Rajgir / राजगीर
D. Sarnath / सारनाथ

[SSC CGL 2020]

SOLUTION

Correct Answer is Sarnath

- Gautama Buddha delivered his first sermon, known as 'Dharmachakra Pravartana' (Setting in Motion the Wheel of Dharma), at Sarnath./ गौतम बुद्ध ने अपना पहला उपदेश, जिसे 'धर्मचक्र प्रवर्तन' (धर्म चक्र प्रवर्तन) के नाम से जाना जाता है, सारनाथ में दिया था।
- It is one of the most important Buddhist pilgrimage sites, where Emperor Ashoka built the Dhamek Stupa and the Lion Capital./ यह सबसे महत्वपूर्ण बौद्ध तीर्थस्थलों में से एक है, जहाँ सम्राट अशोक ने धमेक स्तूप और सिंहशीर्ष का निर्माण करवाया था।
- The four main pilgrimage sites of Buddhism are: Lumbini (birthplace), Bodh Gaya (enlightenment), Sarnath (first sermon), and Kushinagar (mahaparinirvana). / बौद्ध धर्म के चार प्रमुख तीर्थस्थल हैं: लुम्बिनी (जन्मस्थान), बोधगया (ज्ञानोदय), सारनाथ (प्रथम उपदेश), और कुशीनगर (महापरिनिर्वाण)।

SOLUTION

Four Noble Truths →

1. Dukkha – Life is suffering.
2. Samudaya – Desire is cause of suffering.
3. Nirodha – Cessation of suffering is possible.
4. Magga – Follow Eightfold Path to end suffering.

चार आर्य सत्य →

1. दुःख - जीवन दुख है।
2. समुदाय - इच्छा दुख का कारण है।
3. निरोध - दुख का निवारण संभव है।
4. मग्गा - दुख के अंत के लिए अष्टांगिक मार्ग का अ

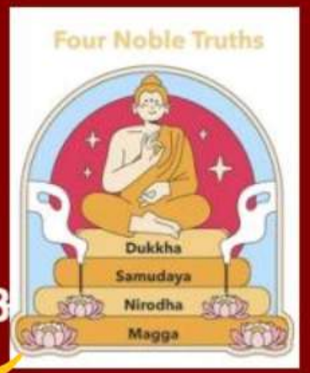

SOLUTION

8 fold Path

Eightfold Path →	अष्टांगिक मार्ग →
1. Right View	1. सम्यक् दृष्टि
2. Right Thought	2. सम्यक् विचार
3. Right Speech	3. सम्यक् वाणी
4. Right Action	4. सम्यक् कर्म
5. Right Livelihood	5. सम्यक् आजीविका
6. Right Effort	6. सम्यक् प्रयास
7. Right Mindfulness	7. सम्यक् स्मृति
8. Right Concentration	8. सम्यक् एकाग्रता

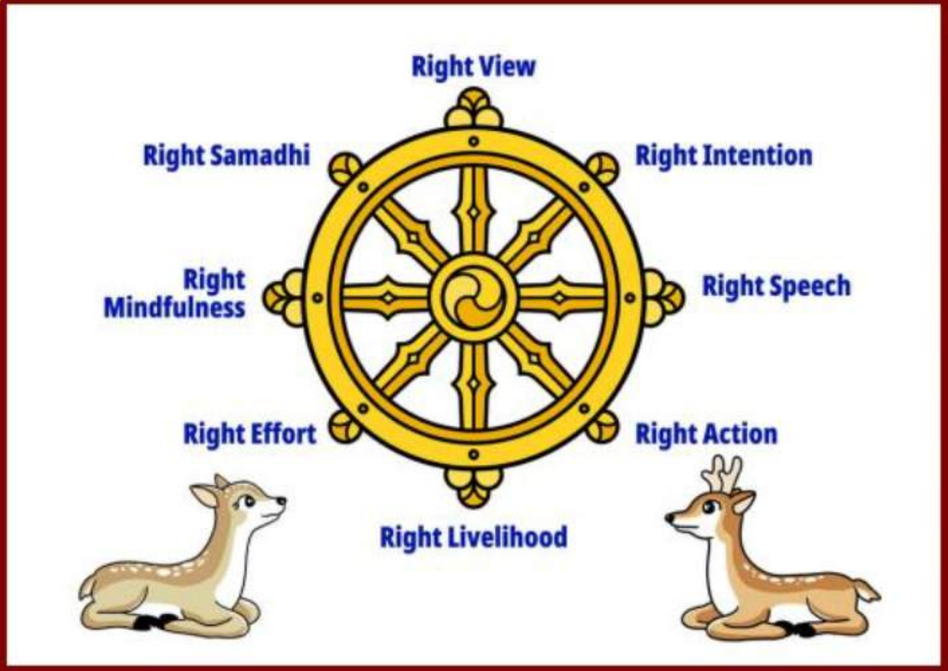

Question

Q8. Given below are two statements / निम्नलिखित दो कथन दिए गए हैं:

Statement I: The construction of Stupas, Chaityas, and Viharas became a significant trend during 200 B.C.-300 A.D. / कथन I: स्तूप, चैत्य और विहारों का निर्माण 200 ई.पू.–300 ई. के दौरान एक महत्वपूर्ण प्रवृत्ति बन गया।

Statement II: These structures were primarily secular in nature and excluded religious significance. / कथन II: ये संरचनाएँ मुख्यतः लौकिक प्रकृति की थीं और धार्मिक महत्व से रहित थीं।

Which of the following statement is/are correct?
निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

[SSC Phase XIII 31/07/2025 Shift-1]

A. Both statements are true and Statement II is the correct explanation of Statement I / दोनों कथन सही हैं और कथन II, कथन I का सही स्पष्टीकरण है।

B. Both statements are true but Statement II is not the correct explanation of Statement I / दोनों कथन सही हैं पर कथन II, कथन I का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C. Statement I is true but Statement II is false / कथन I सही है पर कथन II गलत है।

D. Both statements are false / दोनों कथन गलत हैं।

SOLUTION

Correct Answer is Statement I is true but Statement II is false.

- The period from 200 BCE to 300 CE witnessed a significant surge in the construction of Stupas, Chaityas, and Viharas, especially following the Mauryan and Shunga periods. / 200 ईसा पूर्व से 300 ईस्वी तक की अवधि में स्तूपों, चैत्यों और विहारों के निर्माण में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, विशेष रूप से मौर्य और शुंग काल के बाद।
- Stupas were built to enshrine relics of the Buddha or Buddhist saints, Chaityas served as prayer halls and congregation spaces. / स्तूपों का निर्माण बुद्ध या बौद्ध संतों के अवशेषों को स्थापित करने के लिए किया जाता था,चैत्य प्रार्थना कक्ष और सभा स्थल के रूप में कार्य करते थे।
- Viharas were residential monasteries for Buddhist monks. / विहार बौद्ध भिक्षुओं के आवासीय मठ थे।

SOLUTION

- All these structures were central to religious significance, not secular in nature./ ये सभी संरचनाएँ धार्मिक महत्व की थीं, न कि धर्मनिरपेक्ष प्रकृति की।
- The word Stupa literally means a 'heap' or 'mound'. / स्तूप शब्द का शाब्दिक अर्थ है 'ढेर' या 'टीला'।
- The Great Stupa at Sanchi is its most famous example, originally commissioned by Ashoka. / साँची का महान स्तूप इसका सबसे प्रसिद्ध उदाहरण है, जिसका निर्माण मूल रूप से अशोक ने करवाया था।

Question

Q9. Buddha attained enlightenment at _____.
बुद्ध ने ज्ञान की प्राप्ति _____ में की थी।

A. Sarnath / सारनाथ
B. Bodh Gaya / बोधगया
C. Kusinara / कुशीनगर
D. Pataliputra / पाटलिपुत्र

Bihar

[SSC MTS]

SOLUTION

Correct Answer is Bodh Gaya

- Gautama Buddha attained enlightenment at Bodh Gaya under bodhi tree (peepal), located in present-day Bihar state. / गौतम बुद्ध को वर्तमान बिहार राज्य में स्थित बोधि वृक्ष (पीपल) के नीचे बोधगया में ज्ञान की प्राप्ति हुई थी।
- This event occurred around 528 BCE when Buddha achieved Nirvana after 49 days of continuous meditation under the Bodhi Tree. / यह घटना लगभग 528 ईसा पूर्व घटित हुई जब बुद्ध ने बोधि वृक्ष के नीचे 49 दिनों के निरंतर ध्यान के बाद निर्वाण प्राप्त किया।
- This site is one of the most sacred pilgrimage sites in Buddhism. / यह स्थल बौद्ध धर्म के सबसे पवित्र तीर्थ स्थलों में से एक है।

SOLUTION

- Sarnath is where Buddha delivered his first sermon, Kusinara is where he attained Mahaparinirvana, and Pataliputra was the capital of the Mauryan Empire. / सारनाथ वह स्थान है जहाँ बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था, कुशीनगर वह स्थान है जहाँ उन्होंने महापरिनिर्वाण प्राप्त किया था, और पाटलिपुत्र मौर्य साम्राज्य की राजधानी थी।
- The Mahabodhi Temple Complex at Bodh Gaya is a UNESCO World Heritage Site./ बोधगया स्थित महाबोधि मंदिर परिसर एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है।

Question

by Ashoka

Q10. In which of the following states is the Great Stupa of Sanchi located?

सांची का महान स्तूप निम्नलिखित में से किस राज्य में स्थित है?

[Constable Executive]

A. Madhya Pradesh / मध्य प्रदेश

B. Gujarat / गुजरात

C. Uttar Pradesh / उत्तर प्रदेश

D. Bihar / बिहार

SOLUTION

Correct Answer is Madhya Pradesh

- The Great Stupa of Sanchi is located in the Raisen district of Madhya Pradesh./ साँची का महान स्तूप मध्य प्रदेश के रायसेन ज़िले में स्थित है।
- It was originally commissioned by Emperor Ashoka of the Mauryan Empire in the 3rd century BCE. / इसका निर्माण मूल रूप से मौर्य साम्राज्य के सम्राट अशोक ने तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में करवाया था।
- This stupa is an outstanding example of Buddhist architecture and is designated as a UNESCO World Heritage Site. / यह स्तूप बौद्ध वास्तुकला का एक उत्कृष्ट उदाहरण है और इसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया है।

SOLUTION

- Sanchi (MP)→ Oldest, built by Ashoka/ सबसे पुराना, अशोक द्वारा निर्मित
- Bharhut (MP)→ Jataka reliefs/ जातक राहतें
- Amaravati (Andhra Pradesh)→ White marble stupa/ सफेद संगमरमर का स्तूप
- Sarnath (UP)→ First sermon/ पहला उपदेश
- Kesariya (BIHAR)→ Tallest/ सबसे ऊंचा
- Vaishali (BIHAR) → Second council site/ दूसरा परिषद स्थल
- Piprahwa (UP) → Buddha's relics/ बुद्ध के अवशेष
- Nagarjunakonda (Andhra Pradesh) → Mahayana center/ महायान केंद्र

Question

Q11. The philosophy of the Eightfold Path (eight types of verses) was propounded by —
अष्टांग मार्ग (आठ प्रकार के मार्ग) का सिद्धांत किसके द्वारा प्रतिपादित किया गया था?

[Constable Executive]

A. Mahavir Swami / महावीर स्वामी
B. Shankaracharya / शंकराचार्य
C. Gautam Buddha / गौतम बुद्ध
D. Ramanuja / रामानुज

SOLUTION

Correct Answer is Gautam Buddha

- The philosophy of the Eightfold Path was propounded by Gautam Buddha. / अष्टांगिक मार्ग का दर्शन गौतम बुद्ध द्वारा प्रतिपादित किया गया था।
- It forms the core foundation of Buddhism and is embedded within the Four Noble Truths. / यह बौद्ध धर्म का मूल आधार है और चार आर्य सत्यों में निहित है।
- Buddha preached this path in his first sermon known as Dhammacakkappavattana Sutta at Sarnath. / बुद्ध ने सारनाथ में अपने प्रथम उपदेश, जिसे धम्मचक्कप्पवत्तन सुत्त के नाम से जाना जाता है, में इस मार्ग का उपदेश दिया था।

SOLUTION

Four Noble Truths:

1. **Dukkha** – Life is suffering.
2. **Samudaya** – Desire is cause of suffering.
3. **Nirodha** – Cessation of suffering is possible.
4. **Magga** – Follow Eightfold Path to end suffering.

चार आर्य सत्य:

1. **दुःख** - जीवन दुख है।
2. **समुदाय** - इच्छा दुख का कारण है।
3. **निरोध** - दुख का निवारण संभव है।
4. **मग्गा** - दुख के अंत के लिए अष्टांगिक मार्ग का अ

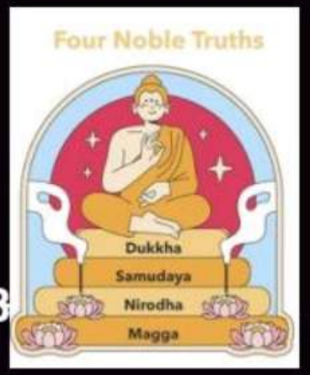

SOLUTION

Eightfold path →	अष्टांगिक मार्ग →
1. Right View	1. सम्यक् दृष्टि
2. Right Thought	2. सम्यक् विचार
3. Right Speech	3. सम्यक् वाणी
4. Right Action	4. सम्यक् कर्म
5. Right Livelihood	5. सम्यक् आजीविका
6. Right Effort	6. सम्यक् प्रयास
7. Right Mindfulness	7. सम्यक् स्मृति
8. Right Concentration	8. सम्यक् एकाग्रता

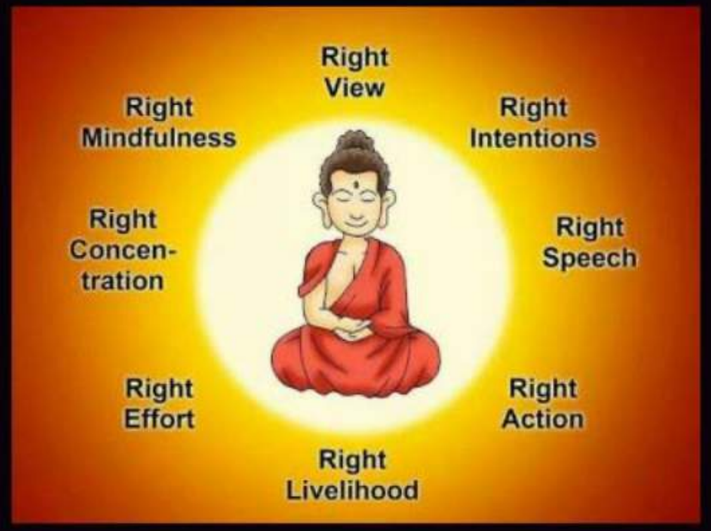

Question

Q12. The Third Buddhist Council was held by —
तीसरी बौद्ध परिषद का आयोजन किसके द्वारा किया गया था?

[RRB NTPC CBT]

A. Chandragupta / चंद्रगुप्त
B. Kanishka / कनिष्क
C. Ashoka / अशोक
D. Harshvardhan / हर्षवर्धन

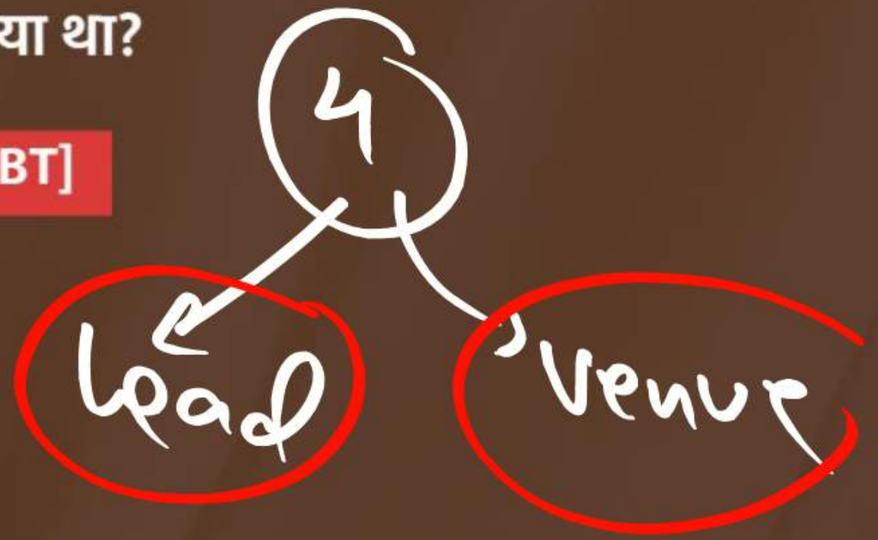

SOLUTION

Correct Answer is Ashoka

- **The Third Buddhist Council was organized during the reign of Mauryan Emperor Ashoka in Pataliputra around 250 BCE./ तृतीय बौद्ध संगीति का आयोजन मौर्य सम्राट अशोक के शासनकाल में पाटलिपुत्र में लगभग 250 ईसा पूर्व में हुआ था।**

Buddhist Councils (बौद्ध संगीति / परिषदें)

Council (संघिति)	Place (स्थान)	Year / Period (काल)	Ruler / Patron (संरक्षक शासक)	Presided by (अध्यक्षता)	Main Purpose / Outcome (मुख्य उद्देश्य / परिणाम)
First Buddhist Council	Rajagriha (Rajgir)	c. 483 BCE (after Buddha's death)	Ajatashatru (Magadha ruler)	Mahākassapa (Mahākashyapa)	To compile Buddha's teachings — Vinaya Pitaka by Upali and Sutta Pitaka by Ananda were recited.
प्रथम बौद्ध संगीति	राजगृह (राजगीर)	ई.पू. 483 के आसपास	अजातशत्रु (मगध)	महाकश्यप	बुद्ध के उपदेशों का संकलन — विनय पिटक (उपाली) और सुत्त पिटक (आनंद) का पाठ।

Council (संघिति)	Place (स्थान)	Year / Period (काल)	Ruler / Patron (संरक्षक शासक)	Presided by (अध्यक्षता)	Main Purpose / Outcome (मुख्य उद्देश्य / परिणाम)
Second Buddhist Council	Vaishali (Bihar)	c. 383 BCE (100 years after Buddha's death)	Kalashoka (Shishunaga dynasty)	Sabbakami	To settle disciplinary disputes between monks; first split → Sthaviravadins & Mahasanghikas.
द्वितीय बौद्ध संगीति	वैशाली (बिहार)	ई.पू. 383 के आसपास	कालाशोक (शिशुनाग वंश)	सब्बकामी	संघ में अनुशासन संबंधी विवाद — स्थविरवाद व महासांघिक दो भागों में विभाजन।
Third Buddhist Council	Pataliputra (Patna)	c. 250 BCE	Ashoka (Mauryan Empire)	Moggaliputta Tissa	To purify the Sangha, remove heretics; compilation of Abhidhamma Pitaka; Missionaries sent abroad (Sri Lanka).
तृतीय बौद्ध संगीति	पाटलिपुत्र (पटना)	ई.पू. 250 के आसपास	अशोक (मौर्य साम्राज्य)	मोग्गलिपुत्त तिस्स	संघ की शुद्धि, अभिधम्म पिटक का संकलन, धर्म प्रचारक दल विदेश भेजे गए।

Council (संगिति)	Place (स्थान)	Year / Period (काल)	Ruler / Patron (संरक्षक शासक)	Presided by (अध्यक्षता)	Main Purpose / Outcome (मुख्य उद्देश्य / परिणाम)
Fourth Buddhist Council (Hinayana)	Kashmir (Jalandhar / Kundalvana)	98 CE	Kanishka (Kushan ruler)	Vasumitra & Ashvaghosha	Compilation of Mahayana texts and commentaries; division into Mahayana & Hinayana formalized.
चतुर्थ बौद्ध संगीति (हीनयान)	कश्मीर (कुंडलवन)	98 ई.	कनिष्क (कुषाण शासक)	वसु मित्र व अश्वघोष	महायान ग्रंथों का संकलन, महायान व हीनयान में औपचारिक विभाजन।

Question

Q13. Which of the following is NOT a part of Buddhist stupas?

निम्नलिखित में से कौन-सा बौद्ध स्तूपों का भाग नहीं है?

[SSC MTS]

A. Harmika / हार्मिका

B. Anda / अंडा

C. Chhatra / छत्र

D. Vimana / विमान

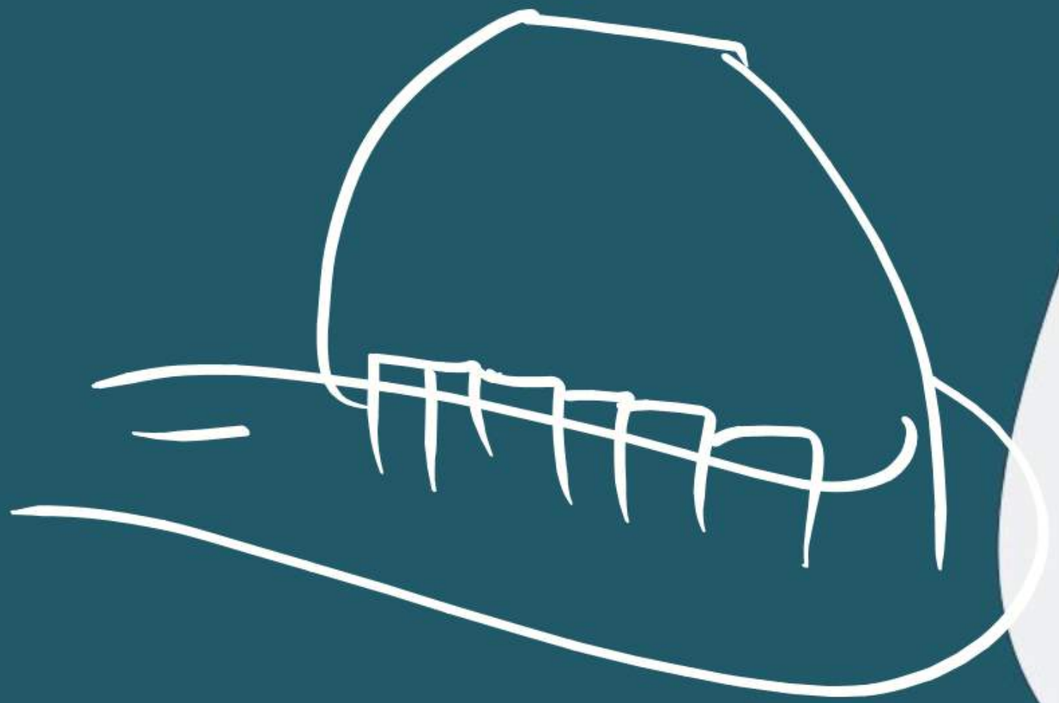

SOLUTION

Correct Answer is Vimana

- Anda → Dome (relic chamber)/ अंडा → गुंबद (अवशेष कक्ष
- Harmika → Square railing (divine abode) /
  हर्मिका → चौकोर रेलिंग (दिव्य निवास)
- Chattra → Umbrella (Triratna) / छत्र → छाता (त्रिरत्न)
- Medhi → Circular terrace (pradakshina) /
  मेधी → गोलाकार छत (प्रदक्षिणा)
- Torana → Gateways (Jataka art) / तोरण → प्रवेश द्वार
  (जातक कला)
- Vedika → Rail enclosure / वेदिका → रेल परिक्षेत्र
- Pradakshina Patha → Circumambulation path /
  प्रदक्षिणा पथ → परिक्रमा पथ

Question

Q14. The rules made for the _____ were written down in a book called 'Vinaya Pitaka'.

_____ के लिए बनाए गए नियम 'विनय पिटक' नामक पुस्तक में लिखे गए थे।

[SSC CGL 2020]

A. Lingayats / लिंगायत

B. Vaishnavites / वैष्णव

C. Buddhist Sangha / बौद्ध संघ

D. Shakta cult / शक्त संप्रदाय

SOLUTION

Correct Answer is Buddhist Sangha

- The Vinaya Pitaka is one of the Three Baskets (Tripitaka) of Buddhism./ विनय पिटक बौद्ध धर्म के त्रिपिटकों में से एक है।
- It is a collection of rules and disciplines meant for the Buddhist monastic community (Sangha)./ यह बौद्ध मठवासी समुदाय (संघ) के लिए नियमों और अनुशासनों का एक संग्रह है।
- It contains detailed regulations governing the daily life, conduct, and disciplinary codes for monks and nuns. / इसमें भिक्षुओं और भिक्षुणियों के दैनिक जीवन, आचरण और अनुशासन संबंधी विस्तृत नियम शामिल हैं।

SOLUTION

- The Tripitaka is written in the Pali language / त्रिपिटक पाली भाषा में लिखा गया है।
- It consists of the Sutta Pitaka (discourses of the Buddha), Vinaya Pitaka (monastic rules), and Abhidhamma Pitaka (philosophical analysis). / इसमें सुत्त पिटक (बुद्ध के प्रवचन), विनय पिटक (मठवासी नियम) और अभिधम्म पिटक (दार्शनिक विश्लेषण) शामिल हैं।
- The Vinaya Pitaka is further divided into Suttavibhanga (rules), Khandhaka (procedures), and Parivara (summary). / विनय पिटक को आगे सुत्तविभंग (नियम), खंडक (प्रक्रियाएँ) और परिवार (सारांश) में विभाजित किया गया है।

QUESTION

Q15. During which of the following rules did Buddhism get split into two schools - Hinayana and Mahayana in the fourth Buddhist council?

बौद्ध धर्म चौथी बौद्ध परिषद में किस शासनकाल के दौरान दो शाखाओं - हीनयान और महायान में विभाजित हुआ था?

[SSC CGL 2024]

A. Kushana / कुषाण
B. Parthian / पार्थियन
C. Gupta / गुप्त
D. Shaka / शक

SOLUTION

Correct Answer is Kushana

- The Fourth Buddhist Council was held during the reign of the Kushana ruler Kanishka (around 78 CE) at Kundalvan in Kashmir. / चतुर्थ बौद्ध संगीति कुषाण शासक कनिष्क के शासनकाल (लगभग 78 ई.) में कश्मीर के कुंडलवन में आयोजित की गई थी।
- This council was presided over by the Buddhist scholar Vasumitra and saw significant contributions from scholars like Ashvaghosha. / इस संगीति की अध्यक्षता बौद्ध विद्वान वसुमित्र ने की थी और इसमें अश्वघोष जैसे विद्वानों का महत्वपूर्ण योगदान था।
- In this council, Buddhism formally split into two major schools - Hinayana (the Lesser Vehicle) and Mahayana (the Greater Vehicle). / इस संगीति में, बौद्ध धर्म औपचारिक रूप से दो प्रमुख सम्प्रदायों - हीनयान (लघुयान) और महायान (महायान) में विभाजित हो गया।

Point / बिंदु	Hinayana (हीनयान)	Mahayana (महायान)	Vajrayana (वज्रयान)
Meaning / अर्थ	Lesser Vehicle / छोटा वाहन	Greater Vehicle / महान वाहन	Diamond Vehicle / वज्र वाहन
Language / भाषा	Pali	Sanskrit	Sanskrit & Tibetan
Goal / उद्देश्य	Personal Nirvana (Arhat) / व्यक्तिगत मुक्ति	Nirvana for all (Bodhisattva) / सबकी मुक्ति	Quick Nirvana through Tantra / तंत्र द्वारा शीघ्र मुक्ति
Buddha's status / बुद्ध का स्वरूप	Human teacher / मानव गुरु	Divine being / ईश्वर समान	Supreme deity / सर्वोच्च देवता
Main Method / मार्ग	Meditation & Discipline / ध्यान और अनुशासन	Faith & Devotion / श्रद्धा और भक्ति	Mantra & Tantra / मंत्र और तंत्र
Regions / क्षेत्र	Sri Lanka, Myanmar, Thailand	China, Japan, Nepal	Tibet, Bhutan, Mongolia

QUESTION

Q16. Where was Swami Mahavir born?
स्वामी महावीर का जन्म कहाँ हुआ था?

[RRB NTPC CBT]

A. Pataliputra / पाटलिपुत्र
B. Lumbini / लुंबिनी
C. Kundagram / कुंडग्राम
D. Pavapuri / पावापुरी

SOLUTION

Correct Answer is Kundagram

Mahavira Swami – Life Events (महावीर स्वामी – जीवन की प्रमुख घटनाएँ)

Basic Facts / मूल तथ्य

- **Real Name:** Vardhamana Mahavira / **नाम:** वर्धमान महावीर
- **Birth:** 540 BCE (approx.) at Kundagrama district, Bihar)
- **जन्म:** लगभग 540 ई.पू., कुण्डग्राम (वैशाली, बिहार)
- **Father:** Siddhartha (King of Naya clan) / **पिता:** सिद्धार्थ (नाय वंश के राजा)
- **Mother:** Trishala (Princess of Licchavi clan) / **माता:** त्रिशला (लिच्छवि कुल की राजकुमारी)
- **Kshatriya clan:** Jñatrika clan

बेटी

Anuja / Priyadarshana

SOLUTION

Birth and Early Life / जन्म और प्रारंभिक जीवन

- Born in Kundagrama near Vaishali.
- Called Vardhamana meaning "one who grows" because his birth brought prosperity.

जन्म कुंडग्राम (वैशाली) में हुआ; 'वर्धमान' नाम इसलिए पड़ा क्योंकि उनके जन्म से समृद्धि आई।

42 yrs old

12 yrs.

Renunciation (Tyāga/त्याग)

- At age 30, left home in search of truth.
- Became an ascetic, practicing severe penance (tapas).

30 वर्ष की उम्र में सत्य की खोज में घर छोड़ दिया। एक तपस्वी बन गए, कठोर तपस्या (तप) का अभ्यास किया।

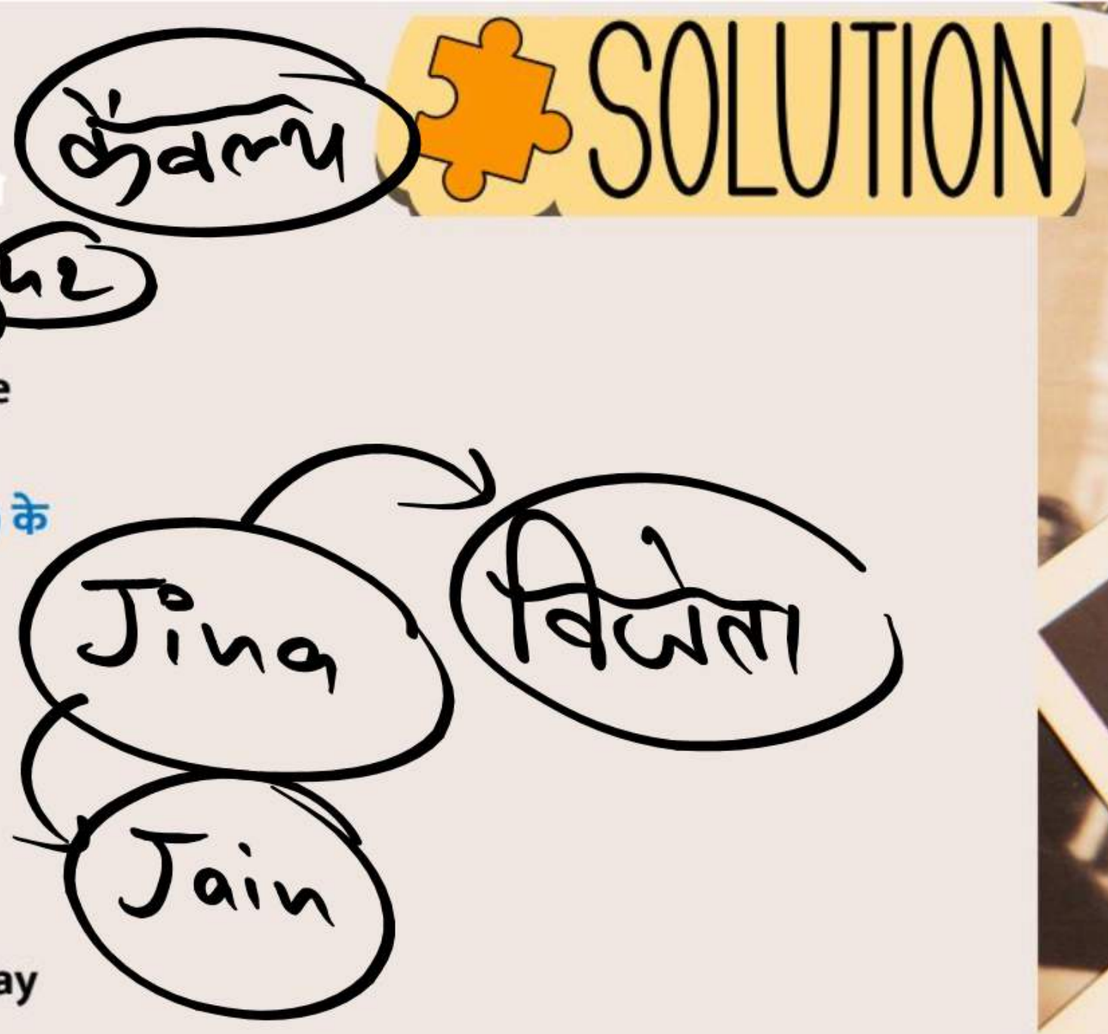

SOLUTION

Attainment of Kevala Jnana (Enlightenment)/ केवल ज्ञान की प्राप्ति (आत्मज्ञान)

- After 12 years of meditation and austerity, attained Kevala Jnana (omniscience) under a Sal tree at Jrimbhikagrama on the banks of River Rijupalika (modern Jamui, Bihar).

12 वर्षों के ध्यान और तपस्या के बाद, ऋजुपालिका नदी (आधुनिक जमुई, बिहार) के तट पर जृम्भिकाग्राम में साल वृक्ष के नीचे केवल ज्ञान (सर्वज्ञता) प्राप्त की।

Teaching Period (Preaching Dhamma) / शिक्षण अवधि (धम्म उपदेश)

- Spent 30 years preaching Jain Dharma across Bihar and neighboring regions.
- Organized Jain Sangha (four-fold order): monks, nuns, male lay followers, and female lay followers.

30 वर्ष तक धर्म-प्रचार किया; चार संघों (भिक्षु, भिक्षुणी, श्रावक, श्राविका) का संगठन किया।

SOLUTION

By Parswanath

Teachings (Doctrine)/ शिक्षाएं (सिद्धांत)

- Emphasized Ahimsa (non-violence), Satya (truth), Aparigraha (non-possession), Asteya (non-stealing), Brahmacharya (celibacy) — Five Great Vows (Mahavratas).

अहिंसा, सत्य, अस्तेय, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य — ये पाँच महाव्रत उनके उपदेशों का आधार बने।

Mahavir Swami

Death (Nirvana / Moksha)/ मृत्यु (निर्वाण/मोक्ष)

- Attained Nirvana at Pavapuri (near Rajgir, Bihar) at age 72 in 468 BCE.

72 वर्ष की आयु में पावापुरी (राजगीर, बिहार) में निर्वाण (मोक्ष) प्राप्त किया।

SOLUTION

Symbols & Facts / प्रतीक व अन्य तथ्य

- **Symbol:** Lion / सिंह
- **Title:** Jina (Conqueror of self), hence followers are called Jains.
- **Language of preaching:** Prakrit (Ardhamagadhi).

प्रवचन की भाषा: प्राकृत (अर्धमागधी)।

Question

Q17. According to Jain philosophy, the term 'Jina' means—

जैन दर्शन के अनुसार, 'जिन' शब्द का अर्थ है —

[RRB NTPC CBT]

A. Lord / भगवान

B. Free from fetters / बंधनों से मुक्त

C. Worthy / योग्य

D. The conqueror / विजेता

SOLUTION

Correct Answer is The conqueror

- In Jain philosophy, the term 'Jina' literally means 'the conqueror'. / जैन दर्शन में, 'जिन' शब्द का शाब्दिक अर्थ 'विजेता' है।
- It refers to those great souls who have conquered their inner passions, senses, and enemies like attachment and aversion. / यह उन महान आत्माओं को संदर्भित करता है जिन्होंने अपनी आंतरिक वासनाओं, इंद्रियों और राग-द्वेष जैसे शत्रुओं पर विजय प्राप्त कर ली है।
- The word 'Jain' itself is derived from 'Jina', meaning 'follower of the Jina'./ 'जैन' शब्द स्वयं 'जिन' से बना है, जिसका अर्थ है 'जिन का अनुयायी'।
- The 24 Tirthankaras in Jainism are given the title 'Jina' because they achieved victory over karmic bondage and attained liberation (moksha). / जैन दर्शन में, 'जिन' शब्द का शाब्दिक अर्थ 'विजेता' है।यह उन महान आत्माओं को संदर्भित करता है जिन्होंने अपनी आंतरिक वासनाओं, इंद्रियों और राग-द्वेष जैसे शत्रुओं पर विजय प्राप्त कर ली है।'जैन' शब्द स्वयं 'जिन' से बना है, जिसका अर्थ है 'जिन का अनुयायी'।जैन धर्म में 24 तीर्थंकरों को 'जिन' की उपाधि इसलिए दी गई है क्योंकि उन्होंने कर्म बंधन पर विजय प्राप्त की और मोक्ष प्राप्त किया।

SOLUTION

- This conquest is not over external enemies but represents the spiritual victory over internal desires, attachments, and ignorance through rigorous ascetic practices.
- यह विजय बाह्य शत्रुओं पर नहीं, बल्कि कठोर तप साधनाओं के माध्यम से आंतरिक इच्छाओं, आसक्तियों और अज्ञान पर आध्यात्मिक विजय का प्रतीक है।

- 1st – Rishabhanatha (Bull) → First Tirthankara
- पहला - ऋषभनाथ (बैल) → प्रथम तीर्थंकर
- 23rd – Parshvanatha (Snake) → Four vows
- 23वां - पार्श्वनाथ (सर्प) → चार व्रत
- 24th – Mahavira (Lion) → Five vows, Pavapuri Nirvana
- 24वां - महावीर (सिंह) → पाँच व्रत, पावापुरी निर्वाण

Question

Q18. The Digambara sect belongs to which of the following religions?

दिगंबर संप्रदाय निम्नलिखित में से किस धर्म से संबंधित है?

[RRC Group D]

A. Buddhism / बौद्ध धर्म

B. Islam / इस्लाम

C. Jainism / जैन धर्म

D. Sikhism / सिख धर्म

SOLUTION

Correct Answer is Jainism

- Jainism is primarily divided into two major sects - Digambara and Svetambara. / जैन धर्म मुख्यतः दो प्रमुख संप्रदायों में विभाजित है - दिगंबर और श्वेतांबर।
- The term Digambara literally means 'sky-clad' or those who are naked. / दिगंबर शब्द का शाब्दिक अर्थ है 'आकाश-वस्त्रधारी' या नग्न।
- This sect strictly follows the teachings of Lord Mahavira and believes that complete renunciation of worldly possessions and clothing is essential for attaining salvation. Digambara monks do not wear any clothes and carry only a water pot and a peacock feather whisk. / यह संप्रदाय भगवान महावीर की शिक्षाओं का कड़ाई से पालन करता है और मानता है कि मोक्ष प्राप्ति के लिए सांसारिक संपत्ति और वस्त्रों का पूर्ण त्याग आवश्यक है। दिगंबर साधु कोई वस्त्र नहीं पहनते और केवल एक जलपात्र और एक मोर पंख का कटोरा रखते हैं।
- This division occurred around the 3rd century BCE after Mahavira's nirvana./ यह विभाजन महावीर के निर्वाण के बाद तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व के आसपास हुआ था।

Differences between Digambara and Svetambara Sects

(दिगंबर और श्वेतांबर संप्रदायों के बीच अंतर)

Point / बिंदु	Digambara / दिगंबर	Svetambara / श्वेतांबर
Meaning / अर्थ	Sky-clad (nude monks) / आकाश-वस्त्रधारी (निर्वस्त्र संन्यासी)	White-clad (wear white robes) / श्वेत-वस्त्रधारी (सफेद वस्त्र पहनने वाले)
Founder / प्रवर्तक	Bhadrabahu / भद्रबाहु	Sthulabhadra / स्थूलभद्र
Women & Salvation / स्त्रियाँ और मोक्ष	Not possible for women / स्त्रियों के लिए मोक्ष संभव नहीं	Possible for women / स्त्रियों के लिए मोक्ष संभव
Idols / मूर्तियाँ	Nude, plain / निर्वस्त्र और सरल मूर्तियाँ	Clothed, ornamented / वस्त्र व आभूषणों से सुसज्जित मूर्तियाँ
Scriptures / ग्रंथ	In Sanskrit / संस्कृत में	In Prakrit / प्राकृत में
Regions / क्षेत्र	South India / दक्षिण भारत	Western India (Gujarat, Rajasthan) / पश्चिम भारत (गुजरात, राजस्थान)

QUESTION

Q19. The Shailendra kings who had close contacts with the Indian rulers were followers of which of the following religions?

शैलेन्द्र राजा, जिनका भारतीय शासकों से घनिष्ठ संबंध था, निम्नलिखित में से किस धर्म के अनुयायी थे?

A. Buddhism / बौद्ध धर्म

B. Jainism / जैन धर्म

C. Shaivism / शैव धर्म

D. Vaishnavism / वैष्णव धर्म

[SSC CPO 2024]

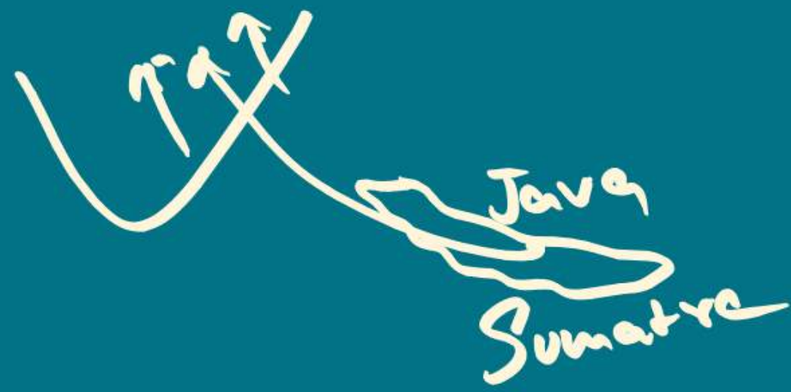

SOLUTION

Correct Answer is Buddhism

- The Shailendra dynasty, which ruled Southeast Asia (particularly Java, Sumatra and the Malay Peninsula) from the 8th to 13th centuries./ शैलेंद्र राजवंश, जिसने 8वीं से 13वीं शताब्दी तक दक्षिण-पूर्व एशिया (विशेषकर जावा, सुमात्रा और मलय प्रायद्वीप) पर शासन किया।
- They were followers of the Mahayana school of Buddhism. / वे बौद्ध धर्म के महायान संप्रदाय के अनुयायी थे।
- They constructed magnificent Buddhist monument Borobudur (world's largest Buddhist temple). / उन्होंने भव्य बौद्ध स्मारक बोरोबुदुर (विश्व का सबसे बड़ा बौद्ध मंदिर) का निर्माण कराया।
- The Shailendra rulers maintained close diplomatic and cultural relations with Indian rulers like the Pala dynasty (Bengal) and Chola dynasty (South India), facilitated by maritime trade routes which helped spread Buddhism and art./ शैलेंद्र शासकों ने पाल वंश (बंगाल) और चोल वंश (दक्षिण भारत) जैसे भारतीय शासकों के साथ घनिष्ठ राजनयिक और सांस्कृतिक संबंध बनाए रखे, जिन्हें समुद्री व्यापार मार्गों द्वारा सुगम बनाया गया जिससे बौद्ध धर्म और कला का प्रसार हुआ।

Q20. Out of the five constraints in life that the Jains need to follow, which of the following means non-acquisition?

जैनों द्वारा पालन किए जाने वाले पाँच व्रतों में से कौन-सा व्रत अर्जन न करना को दर्शाता है?

A. Aparigraha / अपरिग्रह

B. Brahmacharya / ब्रह्मचर्य

C. Asteya / अस्तेय

D. Ahimsa / अहिंसा

[RRC Group D]

Correct Answer is Aparigraha

- **Mahavratas of Jainism / जैन धर्म के महाव्रत**
  1. **Ahimsa – Non-violence / अहिंसा**
  2. **Satya – Truth / सत्य**
  3. **Asteya – Non-stealing / अस्तेय**
  4. **Brahmacharya – Celibacy / ब्रह्मचर्य**
  5. **Aparigraha – Non-possession / अपरिग्रह**
- **These vows are meant mainly for ascetics (monks and nuns) but householders follow them in a milder form called Anuvratas./ ये व्रत मुख्यतः तपस्वियों (भिक्षुओं और भिक्षुणियों) के लिए हैं, लेकिन गृहस्थ लोग इनका पालन अणुव्रत नामक एक सौम्य रूप में करते हैं।**
- **Swastika is the main symbol of Jainism./ स्वस्तिक जैन धर्म का प्रमुख प्रतीक है।**

QUESTION

Q21. The Jain monastic establishments are called as ____.

जैन मठों को क्या कहा जाता है?

[RRB NTPC CBT]

A. Tirth / तीर्थ
B. Basadis / बसदियाँ
C. Svetambara / श्वेतांबर
D. Aparigraha / अपरिग्रह

SOLUTION

Correct Answer is Basadis

- In Jainism, monastic establishments or temples are called 'Basadis' or 'Basadis'. This term is primarily used in Karnataka and other regions of South India./ जैन धर्म में, मठों या मंदिरों को 'बसाड़ी' या 'बसादी' कहा जाता है।यह शब्द मुख्यतः कर्नाटक और दक्षिण भारत के अन्य क्षेत्रों में प्रयोग किया जाता है।
- These Basadis served as residences for Jain monks, centers of education, and places for religious rituals. / ये बसाड़ी जैन भिक्षुओं के निवास, शिक्षा केंद्र और धार्मिक अनुष्ठानों के स्थल के रूप में कार्य करते थे।
- In ancient times, they were constructed by Jain rulers and merchants. / प्राचीन काल में, इनका निर्माण जैन शासकों और व्यापारियों द्वारा किया गया था।
- The Basadis located at Shravanabelagola are prominent examples of such establishments. / श्रवणबेलगोला स्थित बसाड़ी ऐसी स्थापनाओं के प्रमुख उदाहरण हैं।

Question

Q 22. The rock-cut caves at Ellora (Maharashtra), constructed between the 6th and 10th centuries CE, include some caves that are related to _____.

एलोरा (महाराष्ट्र) में 6वीं और 10वीं शताब्दी ईस्वी के बीच निर्मित चट्टान-कट गुफाएँ कुछ ऐसी गुफाएँ शामिल करती हैं जो _____ से संबंधित हैं।

[IB SA]

A. Buddhist, Jain and Hindu / बौद्ध, जैन और हिंदू धर्म
B. Only Jain / केवल जैन धर्म
C. Only Buddhist / केवल बौद्ध धर्म
D. Only Buddhist and Jain / केवल बौद्ध और जैन धर्म

SOLUTION

Correct Answer is Buddhist, Jain and Hindu

- Ellora Caves are located in the Deccan Plateau.
- एलोरा की गुफाएँ दक्कन के पठार में स्थित हैं।
- The rock-cut caves at Ellora are associated with three religions - Buddhism, Hinduism, and Jainism. / एलोरा की शैलकृत गुफाएँ तीन धर्मों - बौद्ध, हिंदू और जैन धर्म से जुड़ी हैं।
- These caves were constructed during the reign of the Rashtrakuta dynasty. / इन गुफाओं का निर्माण राष्ट्रकूट वंश के शासनकाल में हुआ था।

SOLUTION

The caves are arranged in sequence:/ गुफाएँ इस क्रम में व्यवस्थित हैं:

Caves 1-12 are Buddhist, गुफाएँ 1-12 बौद्ध,

- Caves 13-29 are Hindu (including the famous Kailashnath Temple).
- गुफाएँ 13-29 हिंदू हैं (प्रसिद्ध कैलाशनाथ मंदिर सहित)।
- Caves 30-34 are Jain caves. / गुफाएँ 30-34 जैन गुफाएं हैं।
- The Kailashnath Temple is the world's largest monolithic temple, carved from top to bottom.
- कैलाशनाथ मंदिर दुनिया का सबसे बड़ा अखंड मंदिर है, जो ऊपर से नीचे तक उकेरा गया है।
- 34 is the total number of Ellora Caves.
- एलोरा गुफाओं की कुल संख्या 34 है।

Question

Q23. Read the below statements marked as Assertion (A) and Reason (R). Mark the correct options:
नीचे दिए गए कथन (A) और कारण (R) पढ़ें। सही विकल्प चुनें:

Assertion (A): The Buddha sculptures of the Gandhara School show Hellenistic features. / कथन (A): गंधार शैली के बुद्ध की मूर्तियों में हेलेनिस्टिक विशेषताएँ दिखाई देती हैं।

Reason (R): The Buddha head from this school has curly hair and shows typical Hellenistic elements. / कारण (R): इस शैली के बुद्ध के सिर में घुंघराले बाल हैं और इसमें विशिष्ट हेलेनिस्टिक तत्व दिखाई देते हैं।

[SSC Phase XIII 25/07/2025 Shift-1]

A. Both A and R are true, and R is the correct explanation of A / दोनों A और R सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है

B. Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A / दोनों A और R सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है

C. A is true, but R is false / A सत्य है, लेकिन R असत्य है

D. A is false, but R is true / A असत्य है, लेकिन R सत्य है

SOLUTION

Correct Answer is Both A and R are true, and R is the correct explanation of A

- The Gandhara School of Art (1st-4th century CE) developed in the Gandhara region (present-day Pakistan-Afghanistan) of the Indian subcontinent. / गांधार कला शैली (पहली-चौथी शताब्दी ई.) भारतीय उपमहाद्वीप के गांधार क्षेत्र (वर्तमान पाकिस्तान-अफ़ग़ानिस्तान) में विकसित हुई।
- This school clearly demonstrates Hellenistic artistic influences because this region came under Greek cultural influence after Alexander the Great's invasion. / यह शैली स्पष्ट रूप से हेलेनिस्टिक कलात्मक प्रभावों को प्रदर्शित करती है क्योंकि सिकंदर महान के आक्रमण के बाद यह क्षेत्र यूनानी सांस्कृतिक प्रभाव में आ गया था।

SOLUTION

- Gandhara Buddha sculptures exhibit Greek god-like physical features, detailed ornamentation, and realistic style. / गांधार बुद्ध की मूर्तियाँ यूनानी देवता जैसी शारीरिक विशेषताओं, विस्तृत अलंकरण और यथार्थवादी शैली को प्रदर्शित करती हैं।
- Buddha's curly hair (inspired by Apollo), elongated ears, and distinct facial structure are clear elements of Hellenistic art./ बुद्ध के घुंघराले बाल (अपोलो से प्रेरित), लम्बे कान और विशिष्ट चेहरे की संरचना हेलेनिस्टिक कला के स्पष्ट तत्व हैं।
- Gandhara art is also called Greco-Buddhist Art. / गांधार कला को ग्रीको-बौद्ध कला भी कहा जाता है।

SOLUTION

- This school produced the first human-form representations of Buddha, while Mathura and Amaravati schools maintained stronger indigenous Indian styles. / इस शैली ने बुद्ध की पहली मानव-रूपी प्रतिमाएँ प्रस्तुत कीं, जबकि मथुरा और अमरावती शैलियों ने अधिक सशक्त स्वदेशी भारतीय शैलियों को बनाए रखा।
- Gandhara art used grey sandstone and stucco. / गांधार कला में धूसर बलुआ पत्थर और प्लास्टर का प्रयोग किया गया।
- This style flourished under the patronage of Kushan rulers (particularly Kanishka) and played a significant role in spreading Mahayana Buddhism. / यह शैली कुषाण शासकों (विशेषकर कनिष्क) के संरक्षण में फली-फूली और महायान बौद्ध धर्म के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- Taxila and Peshawar were major centers of this art form./ तक्षशिला और पेशावर इस कला के प्रमुख केंद्र थे।

Question

Q24. Name the holy city recognized as the birthplace of the first and fourth Jain Tirthankaras.

उस पवित्र नगर का नाम बताइए जिसे प्रथम और चौथे जैन तीर्थंकरों का जन्मस्थान माना जाता है।

A. Varanasi / वाराणसी

B. Dwaraka / द्वारका

C. Ayodhya / अयोध्या

D. Gaya / गया

[RRB NTPC CBT]

1st Teerthankar

Rishabh Dev

SOLUTION

Correct Answer is C. AYODHYA

The holy city of Ayodhya is recognized as the birthplace of both the 1st and 4th Jain Tirthankaras.
पवित्र शहर अयोध्या को प्रथम और चतुर्थ जैन तीर्थंकरों की जन्मस्थली माना जाता है।

Tirthankara	Name	Symbol	Birthplace
1st	Rishabhanatha (Adinatha)	Bull / बैल	Ayodhya
4th	Abhinandananatha	Monkey / वानर	Ayodhya
23th	Parshvanatha	Snake (Serpent)	Varanasi (U.P.)
24th	Mahavira (Vardhamana)	Lion	Kundagrama (Vaishali, Bihar)

Question

Q25. The concept of Triratna is related to ___

त्रिरत्न की अवधारणा का संबंध ___ से है।

A. Aparigraha / अपरिग्रह

B. Svetambara / श्वेतांबर

C. Sikhism / सिख धर्म

D. Jainism / जैन धर्म

[SSC CGL 2025 Tier I]

SOLUTION

Correct Answer is Jainism

- The concept of Triratna is related to Jainism./ त्रिरत्न की अवधारणा जैन धर्म से संबंधित है।

  In Jain philosophy, three jewels-
  - Samyak Darshana (Right Faith),
  - Samyak Jnana (Right Knowledge)
  - Samyak Charitra (Right Conduct)
- This concept was propounded by Lord Mahavira, the 24th Tirthankara of Jainism. / यह अवधारणा जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर द्वारा प्रतिपादित की गई थी।

SOLUTION

- The Triratna helps individuals break free from the bondage of karma and achieve Moksha (liberation). / त्रिरत्न व्यक्ति को कर्म के बंधन से मुक्त होकर मोक्ष (मुक्ति) प्राप्त करने में सहायता करता है।
- It forms the foundation of Jain teachings and is mentioned in the Jain Agamas (sacred texts). Jain canonical texts are called Agamas. / यह जैन शिक्षाओं का आधार है और जैन आगमों (पवित्र ग्रंथों) में इसका उल्लेख है। जैन प्रामाणिक ग्रंथों को आगम कहा जाता है।
  Composed in Ardhamagadhi Prakrit language./ अर्धमागधी प्राकृत भाषा में रचित।
  - Oldest text/ सबसे पुराना पाठ → **Acharanga Sutra**
  - Life of Mahavira /महावीर का जीवन → **Bhagavati Sutra**
  - Common to both sects/दोनों संप्रदायों के लिए सामान्य → **Tattvartha Sutra**
  - Author of Kalpasutra / कल्पसूत्र के रचयिता→ **Bhadrabahu**

South Indian Dynasties

Thank you